

**अध्यक्ष महोदय :** एक मिनट भी और देने के लिए तैयार नहीं हूँ ।

**श्री बागड़ी :** आपने क्या व्यवस्था दी है मेरे सवाल पर ?

**अध्यक्ष महोदय :** अगर आप इसी तरह से बोलते चले गये तो मुझे आपको बाहर जाने के लिए कहना पड़ेगा । मैं आपको चार बार कह चुका हूँ । आप मानते नहीं हैं ।

**श्री बागड़ी :** मैं बैठ जाता हूँ । नहीं बोलूंगा । रोज रेल दुर्घटनायें होती हैं . . .

**अध्यक्ष महोदय :** श्री बागड़ी, आप बाहर चले जायें ।

**श्री बागड़ी :** यह बोल रहे थे, मैं नहीं बोल रहा था ।

**अध्यक्ष महोदय :** आप बाहर चले जायें ।

**श्री बागड़ी :** मझे निकालने में आप बड़े तेज हैं । रेल मंत्री को क्यों नहीं निकालते हैं ?

**अध्यक्ष महोदय :** आप बहस न करें, बाहर चले जायें ।

**श्री बागड़ी :** रेल भिड़ते ने पाटिल साहब . . .

**अध्यक्ष महोदय :** आप बाहर चले जायें ।

**श्री बागड़ी :** अभी जो वोटिंग होने जा रही है उसके बाद चला जाऊंगा ।

**अध्यक्ष महोदय :** जी नहीं । आप बाहर चले जायें अभी ।

**श्री बागड़ी :** पाटिल से इस्तीफा मांगिये . . . .

(इसके बाद श्री बागड़ी सदन से बाहर चले गये)

**श्री मधु लिंगये :** मैं एक निवेदन कर रहा था ।

**अध्यक्ष महोदय :** इस तरह से वक्त सफ करना ठीक नहीं है । आप इजाजत मांगिये ।

**श्री मधु लिंगये :** मैं इजाजत मांगता हूँ । रेल दुर्घटना को ले कर केन्द्रीय सरकार की जो असफलता हुई है, उसके सम्बन्ध में मेरा जो काम रोको प्रस्ताव है, उसके लिए मैं इजाजत मांगता हूँ ।

**Mr. Speaker:** Is there any objection?

**The Minister of Parliamentary Affairs and Communications (Shri Satya Narayan Sinha):** Yes, Sir.

**अध्यक्ष महोदय** Those in favour may kindly stand in their places. पच्चीस ही खड़े हुए हैं । इस वास्ते इसको नहीं लिया जा सकता है ।

**श्री मधु लिंगये :** ध्यानाकर्षण ले लीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय :** वह ले लूंगा जब वक्त आवेगा ।

**डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) :** मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है, ध्यानाकर्षण के सम्बन्ध में ।

**अध्यक्ष महोदय :** जब ध्यानाकर्षण का वक्त आवेगा उस वक्त आप उठा सकते हैं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** आप स्थगन प्रस्ताव के पहले लिया करते हैं । वह वक्त बदलता रहता है आपकी मर्जी के मुताबिक । कोई नियम थोड़े नहीं है ।

12.05 hrs.

STATEMENT RE. RAILWAY  
ACCIDENT AT SILIGURI

**The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh):** On 11-11-1966 at about 3.20 hours, while Military Special No. SP 987 consisting of 23 vehicles hauled by

a deisel engine was running between Sivok and Pilanshat stations on the Siliguri-Alipurduar section of the Northeast Frontier Railway, the train engine along with 6 coaches next to it derailed and capsized, resulting in the death of 14 military personnel and injuries to 33, of whom 10 were grievously injured. In addition, the engine driver and his assistant also sustained simple injuries. The injured persons were sent to Railway and Military Hospitals by medical relief van which was rushed to the site of the accident along with doctors and medical equipment from Siliguri Junction, on receipt of the information of the accident. As a result of this accident, through running of trains on the section was interrupted. To restore through communications, a diversion was constructed and transhipment of passengers was arranged at site in the intervening period.

While the cause of the accident is under investigation, material evidence found at the site indicated the possibility of the track having been tampered with.

The Additional Commissioner of Railway Safety, Calcutta commenced his enquiry into this accident on 13-11-1966.

**Mr. Speaker:** I will allow questions on this at 5:45 P.M.

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर): अभी क्यों नहीं ले लेते हैं ?

**Shri Hem Barua (Gauhati):** Sir, there is a proposal to have a meeting in the Central Hall to celebrate the birth day of the late Prime Minister, Shri Jawaharlal Nehru....

**Mr. Speaker:** I will take it up at 5.30 and finish by 6.00.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : 197 के प्रन्दर अभी लेना चाहिये ।

**Shri Hem Barua:** In view of the meeting, Sir, we would request you to adjourn the House at 5.00 P.M.

**Mr. Speaker:** When I am fixing the questions at 5.30, it means I do not propose to adjourn the House at 5.00.

**Shri Priya Gupta (Katihar):** Let it be 5.30 tomorrow.

**Shri S. M. Banerjee (Kanpur):** Sir, there are still 20 minutes left for 12.30. We can take it up now.

**Mr. Speaker:** As if in 20 minutes this would be finished. That is not necessary. The statement has been made. I will allow the questions to be put at 5.30.

**Shri Priya Gupta:** How long will the House go on?

**Leader of the House (Shri Satya Narayan Sinha):** Sir, I was going to make a request to you and through you to the House also. Every year we celebrate Jawaharlal Nehru's birth day function in the Central Hall where you preside. This year also we are going to do the same. If the House agrees I would request the House, through you, Sir, to adjourn at 5.00 today.

**Mr. Speaker:** Then I will have to take up questions on this statement at 4.30 P.M.

**Shri Hem Barua:** Sir, there is time let. May I submit, Sir, your decision has been very arbitrary. There is sufficient time now and we can take it up now itself.

**Mr. Speaker:** The question is not whether there is time at this moment or not. If the Minister is prepared to answer the questions now, I have no objection.

**Dr. Ram Subhag Singh:** I have no objection to questions being put at 4.30 or even now. I am ready.

**Shri Raghunath Singh (Varanasi):** Sir, are we adjourning at 5.00

**Mr. Speaker:** If the House so desires, we will adjourn at 5.00.

श्री मधु लिमये : आधे घंटे की बहस को बाद में कभी ले लेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : आपने लिखा है—

श्री मधु लिमये : अंतर दिनों दिन रख लाजिये मुझे कोई एतराज नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : अच्छा यान है ।

**Shri S. M. Banerjee:** In 1966 there have been three major accidents, this being the third one, involving 14 jawans. I feel that this is due to the utter failure of the Railway Ministry, headed by Shri S. K. Patil, who is interested in everything else, except the Railway Ministry, in the efficient working of his Ministry....

**Mr. Speaker:** Order, order. It is only elucidation that can be done. This is not an opportunity for attacking Ministers. Now he should ask questions... (Interruptions). Order, order.

श्री मधु लिमये : यह बिल्कुल ठीक और जरूरी है । पाटिल साहब सदन में क्यों नहीं हैं ? वह दुनिया भर का गोरख-बंधा करते रहते हैं । वह हमेशा दूसरे कामों में लगे रहते हैं ।

**Shri Priya Gupta:** These are facts.

**Mr. Speaker:** I have asked Shri Priya Gupta earlier also to resume his seat. Now Shri Banerjee might ask his question.

**Shri S. M. Banerjee:** Kindly hear me. Nothing is going to be lost if you permit....

**Mr. Speaker:** The time of the House is going to be lost by this question.

**Shri S. M. Banerjee:** During the inter-session period the Minister wanted to resign but Indrajit came to his rescue and said "you should not resign".

**Mr. Speaker:** I am not concerned with which Ministers should resign. The Calling Attention Notice relates

to only one particular subject and the questions should relate only to that.

**Shri S. M. Banerjee:** He is so indifferent to the problem that he has not cared to come to the House.

**Mr. Speaker:** Now he might ask his question.

श्री मधु लिमये : पाटिल साहब क्यों डरते हैं ? वह सदन में क्यों नहीं आए ? वह इस्तीफा दें ।

**Shri S. M. Banerjee:** He is in the thick of the formation of the Ministry.

**Shrimati Renu Chakravarty (Barackpore):** He is in Calcutta though the accident is at Siliguri.

**Shri S. M. Banerjee:** Atulya Ghosh is more important to him than the life of the jawans.

**Mr. Speaker:** I am requesting him again to ask the question.

**Shri S. M. Banerjee:** In view of the repeated accidents and the Government's failure to take proper precaution, I would like to know whether (a) a judicial inquiry would be conducted to elucidate facts and (b) till such time the Minister will be asked to resign.

**Mr. Speaker:** It is not for the Minister to say whether he should resign or not.

**Shri S. M. Banerjee:** Let the Prime Minister say that. The Minister should be suspended.

**Mr. Speaker:** The Minister may answer whether a judicial inquiry would be held.

**Dr. Ram Subhag Singh:** No, Sir.

श्री हुकम चन्द कश्यप (देवास) : पिछले दिनों श्री पाटिल ने लगातार चार व्यक्तियों में कहा है कि जिदनी भी रेलवे दुर्घटनायें हो रही हैं, उनके पीछे राजनीतिक दलों का हाथ है । मैं आपके द्वारा प्रधान मंत्री से यह जानना चाहता हूँ कि क्या उन्होंने

इस बात की जांच की है कि देश में ऐसा कौन सा राजनीतिक दल है, जो देश में तोड़-फोड़ और विद्रोह को भावना फैलाना चाहता है।

**डा० राम सुभा सिंह :** इस सम्बन्ध में जो जांच को जा रहा है, उस के दौरान में यह बात स्पष्ट हो जायेगी। अभी भी मैंने अपने वक्तव्य में कहा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि पटरों के साथ ठेड़-आड़ की गई है। इस बारे में जांच की जायेगी।

**श्री हुकम चन्द कच्छाय :** पिछले तीन चार वक्तव्यों में पाटिल साहब यह बात कहते आ रहे हैं। क्या इस बारे में कोई जांच की गई है ? यह जांच कब तक पूरी हो जायेगी और उसकी रिपोर्ट कब तक आ जायेगी ? क्या इस सम्बन्ध में कुछ लोग गिरफ्तार किये गये हैं ?

**अध्यक्ष महोदय :** अभी कोई गिरफ्तार नहीं किया गया है। माननीय सदस्य ने सवाल कर लिया है, जिसका जवाब आ गया है। अब वह मुझे आगे चलने दें।

**श्री हुकम चन्द कच्छाय :** मेरा प्रश्न यह है कि इस जांच की रिपोर्ट कब तक आ जायेगी। सरकार ने अब तक इस बारे में खोज क्यों नहीं की है ?

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य अब बैठ जायें।

**श्री मधु लिमये :** अध्यक्ष महोदय, जहां तक कानून और सुव्यवस्था का सवाल है, वह तो पश्चिम बंगाल सरकार के मातहत आयेगा, लेकिन रेलवे की पटरियों तथा अन्य सामान की रक्षा करने के लिये रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स का निर्माण किया गया है और अगर मेरी जानकारी सही है, तो इस साल के बजट में 10 करोड़ 10 लाख रुपये रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के लिए खर्च किया गया है। अखबारों में यह खबर आई है कि हो सकता है कि जामूसों

के द्वारा यह दुर्घटना की गई हो। जामूसी कांड में कई लोगों का हाथ है। एक मोहित चौधरी-सुनील दास वाला मामला चल रहा है। अभी अभी प्रधान मंत्री को मैंने एक चिट्ठी सुनील दास की पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्री श्री सेन को भेजी थी, जिसमें सुनील दास ने यह आरोप लगाया था कि केन्द्रीय सरकार के उस जमाने के खाद्य मंत्री और वर्तमान रेल मंत्री, श्री एस० के० पाटिल, ने मोहित चौधरी जैसे जामूसों को

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर, आर्डर। माननीय सदस्य सवाल करें।

**श्री मधु लिमये :** अखबारों में आ चुका है कि जामूसों के द्वारा ये काम किये जा रहे हैं।

**अध्यक्ष महोदय :** इस वक्त जामूसी के बारे में जनरल सवाल नहीं है।

**श्री मधु लिमये :** अध्यक्ष महोदय, यह एक सीमावर्ती इलाका है और बहुत महत्वपूर्ण सवाल है।

**अध्यक्ष महोदय :** हर एक बात का अपना मौका होता है। मुझे किसी भी बात के उठाने पर एतराज नहीं है, लेकिन इस वक्त यह सवाल नहीं है।

**श्री मधु लिमये :** इस से पी० सी० सेन का सम्बन्ध है—अच्छा, मैं सवाल करता हूँ। अगर यह काम जामूसों के द्वारा किया गया है, तो रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स क्या कर रही है ? क्या बंगाल में कानून और सुव्यवस्था का इन्तजाम टूट गया है और क्या बंगाल का सारा काम-काज जामूसों के हाथ में है ? इस बारे में क्या कार्यवाही की गई है ?

**डा० राम सुभा सिंह :** इस का उत्तर जांच की रिपोर्ट आने पर दिया जायेगा।

**श्री मधु लिमये :** रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स क्या कर रही है ?

**डा० राम सुभग सिंह :** वह अपना काम कर रही है ।

**श्री हुकूम चन्द कछवाय :** कितने लॉग पकड़े गये हैं ?

**अध्यक्ष महोदय :** अभी कोई नहीं पकड़ा गया है ?

**Shri Hem Barua:** There was a practice of permanent gangmen inspecting the track. Unfortunately, that practice has been given up by now and during Shri S. K. Patil's regime as many as 13 accidents of a serious nature have taken place. In that context may I know, why is it that Government have given up that practice and why is it that Government discover the sabotage only after the sabotage is committed and call it an accident?

**श्री मधु लिमये :** लखीसराय में क्या हुआ, जहाँ 31 लो मर गए ?

If it has been a sabotage, according to the Government, because the fishplates were removed, may I know whether Government are in a position to tell us if there is any foreign hand behind these disorderly scenes in our country?

**श्री मधु लिमये :** पाटिल साहब का हाथ है ।

**Dr. Ram Subhag Singh:** Actually, this practice of patrolling the tracks through the engineering agency, which includes gangmen, is still in existence; it was more so during the monsoon period.

**श्री प्रिय गूत :** ग़लत बात है ।

**Dr. Ram Subhag Singh:** During the non-monsoon period, from the 15th October it was stopped because after that there was no danger of monsoon. When I say that it is still in existence, it means that this practice has not been eliminated.

**Shri Hari Vishnu Kamath (Hosangabad):** Only suspended.

**Dr. Ram Subhag Singh:** It is in existence during monsoon periods and from 15th October it was stopped on that side because there was no monsoon.

Regarding the number of accidents, if I be permitted to quote the figures of accidents, in 1960-61 the total number of accidents was 2,131 whereas it came down to 1,234 in 1965-66.

**Shri Madhu Limaye:** Bogus figures!

**Shri Hem Barua:** On a point of order, Sir. The Minister said about the monsoon. What connection does the monsoon have with the removal of the fishplates? Could the fishplates be removed only during monsoon or during winter also? Does the Minister think like that or not?

**Mr. Speaker:** If it is being asked whether the Minister thinks like that, it is not a point of order; if I am asked, I am not in a position to say whether monsoon has any connection with it or not.

**श्री मोर्य (अलीगढ़) :** अध्यक्ष महोदय, इस सदन में कुछ परम्पराएँ पड़ी हैं, जिन को सरकार के लोग तोड़ने चले जा रहे हैं। जब माननीय पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रधान मंत्री थे, जिन का आज जन्म दिन है, तब रेलवे का एक हादसा हुआ था। उस वक़्त के रेलवे मंत्री ने कहा था कि यह सब विघाटा के हाथ में है, मैं क्या कर सकता हूँ। दूसरे ही दिन उनको इस्तीफ़ा देना पड़ा था यह बात कहने पर। यह भी वक़्त की नज़ाकत है कि आज पंडित जी की सुपुत्री अपने देश की प्रधान मंत्री हैं। पाटिल साहब दो बार यह कह चुके हैं कि मेरी किस्मत ही कुछ ख़राब है। उन्होंने दो बार किस्मत को रोया है। अगर इस ताड़-फोड़ में किसी राजनीतिक दल का हाथ है, तो वह गूढ़ मंत्री जानें, रेलवे मंत्री जानें और यह सरकार जाने। अब तो ख़ैर, कच्छाण साहब गूढ़ मंत्री हो गये हैं और मेरा खयाल है कि अब हालात अच्छे हो जायेंगे।

तो मेरा प्रश्न यह है . . . . .

**डा० राम मनोहर लोहिया** (फर्रुखा-बाद) : वाह भाई वाह, चापलूसी अभी से शुरू हो गई ।

**अध्यक्ष महोदय** : आपका सवाल खत्म हो गया ?

**श्री मोर्य** : अभी तो पूछ रहा हूँ ।

**अध्यक्ष महोदय** : तो अभी तक क्या करते रहे ?

**श्री मोर्य** : मेरा प्रश्न यह है कि जब पाटिल जी दो बार यह कह चुके हैं कि कुछ किस्मत ही खराब है, कई बार यह बात साफ हो चुकी है कि तोड़फोड़ की वजह से हादसे नहीं हुए बल्कि रेल मंत्रालय की वजह से हुए, तो मैं पूछना चाहता हूँ कि अब तक जितने हादसे हुए जब से पाटिल साहब हुए हैं जिनमें उन्होंने यह कहा कि राजनीतिक दलों का हाथ है, तो उसमें कितने लोग पकड़े गए, कितनों पर मुकदमे चले, और उन में से कितनों का कन्विक्शन हुआ ?

**अध्यक्ष महोदय** : काल प्रदर्शन में यह सवाल नहीं आता । (व्यवधान)  
मैंने कहा कि

A definite matter of urgent public importance has to be discussed in one Call Attention notice. I cannot open up that debate which he might have in a different manner.

**श्री मोर्य** : श्रीमन्, या तो आप सवाल न करने देते (व्यवधान) मेरा प्रश्न यह है कि .

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठिए ।

**श्री मोर्य** : रेल मंत्री कह चुके हैं कि यह उनकी किस्मत का फेर है

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठ जाइए, मैंने आपको तीन दफे कहा है ।

**श्री मोर्य** : आप उन से भी कहिए इस्तीफा दें । (व्यवधान)

**श्री काशी राम गुप्त** (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने कहा कि फिशलेट के साथ में कुछ छेड़छाड़ हुई थी, अब हमका तात्पर्य वह समझते हैं कि पूरी तरह अलाहिदा नहीं हुई होगी, अभी इससे पहले जब बम्बई में हादसा हुआ था तो यह कहा था कि ऐसा मालूम होता है कि इसमें कुछ राजनीतिक षड्यंत्र है । मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या रेलवे के भीतर ऐसे राजनीतिक लोग घुस गए हैं सर्विसेज के भीतर, नौकरियों में कि जिनकी उनको जानकारी नहीं होती, बम्बई में जो कुछ हुआ उसकी जानकारी आज तक नहीं हो सकी कि क्या नतीजा निकला तो क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि किसी एक निश्चित समय के अन्दर इसका नतीजा वह सदन के सामने रखेंगे, इसी पार्लियामेंट के रहते रहते सारी बातें आयेंगी या पार्लियामेंट खत्म हो जाने के बाद में चुप हो जायेंगे और कोई बात सामने नहीं आयेंगी ?

**डा० राम सुभग सिंह** : इसी सदन में इसकी जांच को रिपोर्ट यहां रखवा देंगे ।

**श्री विद्यवाच पाण्डेय** (सनेमपुर) : श्रीमन्, यह रेल दुर्घटना जो हुई है असाधारण है क्योंकि इसमें रैलिक व्यक्तियों की मृत्यु हुई है और इसलिए मैं जानना चाहता हूँ कि क्या मंत्री महोदय किसी बड़े सैनिक अफसर को भी इस जांच समिति में रखेंगे जिससे कि यह मालूम हो जाय कि किस तरीके से विध्वंसकारियों का यह पता लग गया कि इस स्पेशल ट्रेन से सैनिक लोग जायेंगे ?

**डा० राम सुभग सिंह** : यह ए सी आर पर निर्भर है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : यह तथ्य निर्विवाद हो गया है कि रेल पटरियों के साथ छेड़छाानी की गई । इसलिए इसमें या तो अफसरों की लापरवाही आती है और जब में अफसर कहता हूँ तो नीचे तक चला जाता

है मामला जो सिगनल वगैरह देखते हैं या जो गैंगमैन देखते हैं उनके ऊपर जो अफसर होंगे आखिर वही जिम्मेदार ठहराये जायेंगे, उनकी लापरवाही आती है और या फिर रेल मंत्री साहब की लापरवाही आती है कि वह अपने अफसरों को ठीक तरह से चलाते नहीं हैं, इस में यह भी बात सुनने में आयी है कि रेल की पटरियां करीब करीब सारे देश में से खराब हो गई हैं क्योंकि फौलाद जो इन पटरियों में इस्तेमाल की गई वह मलायम फौलाद हो गई है और उसके ऊपर मैंने सुना है कि जांच भी बिठाई गई है, तो यह एक घटना अकेली नहीं है, कई ऐसी घटनायें हो गई और अभी और कई ऐसी होती रहेंगी तो ऐसी सूरत में बिल्कुल साफ सवाल उठता जाता है और यह भी मैं आपको बता दू कि यह नागा इलाके में नहीं यह दुर्घटना हुई है रेल की पटरियों की छेड़छाड़ की, तो या तो कोई वहीं के लोग हैं और या यह मुलायम फौलाद होने के कारण एक जंजीर में खाली एक छोटी सी कड़ी है, ऐसी सूरत में एक ही रास्ता रह जाता है रेल मंत्री के सामने कि वह इस सदन को बतायें कि किन किन अफसरों के खिलाफ उन्होंने कार्यवाही की है जो इसके लिए जिम्मेदार हैं और यह पहली घटना नहीं है, यह घटनायें कई दफा हो चुकी हैं इसी तरह से रेल की पटरी के साथ पुर्ज और पेंच पड़े रहते हैं तो वह बतायें कि किनके ऊपर कार्यवाही की और अगर यह नहीं बताते तब फिर यह इस सदन का पवित्र काम हो जाता है कि मंत्री के ऊपर नियंत्रण रखे, जैसे यहां बार बार कहा गया, उन से इस्तीफा लेने की कोशिश करे।

**डा० राम सुभग सिंह :** श्रीमन्, जितनी भी बातें कही गई हैं उनमें एक बात यह है कि ट्रेक कंडीशन, तो जो यह दुर्घटना हुई वह प्रातः काल 3 बज कर 20 मिनट के करीब हुई और प्रातः काल ही 1 बज कर 38 मिनट पर एक दूसरी गाड़ी :हीं से गुजरी हुई थी। इससे स्पष्ट है कि ट्रेक

ब्रांडर में या दो घंटे पहले तक या तो घंटे से भी कम पहले तक दूसरा जहां तक अन्य घटनाओं का प्रश्न है।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** इस का क्या मतलब है? अगर मुलायम फौलाद है तो मुलायम फौलाद कोई एकदम से षोड़ा ही इस तरह हो सकता है।

**डा० राम सुभग सिंह :** यह बात जांच में आ जायगी कि मुलायम फौलाद है या क्या है यह बात जांच की रिपोर्ट में आयगी।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** आप ने जांच पहले से विठा रखी है। क्यों छिपा रहे हैं इस बात को (व्यवधान)

**डा० राम सुभग सिंह :** इस चीज का जवाब अगर माननीय लोहिया साहब स्वयं देते हैं तो देश इतका जज है कि कौन किस को जहन्नुम में पहुंचाता है और इन को जो दूसरा सवाल है अन्य घटनाओं के बारे में तो उन घटनाओं के बारे में जांच रिपोर्ट समय समय पर जैसे उपलब्ध होती हैं, सदन के पटल पर रखी जाती हैं और इस की रिपोर्ट भी हम रखेंगे और सारी बातें सामने आयेंगी।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अध्यक्ष महोदय, सवाल बुनियादी तौर पर यह है कि क्या रेल मंत्री ने इन अफसरों के खिलाफ जो बुनियादी तौर पर रेल की पटरियों से छेड़छानी के जिम्मेदार हैं चाहे वह छेड़छानी किसी आदमी ने की हो या पटरियों के खराब होने के कारण हुई हो, उन अफसरों के खिलाफ कार्यवाही की है या नहीं की है और अगर नहीं की है तो रेल मंत्री के ऊपर हाउस का नियंत्रण कायम होना चाहिये।

**अध्यक्ष महोदय :** ब्रांडर। यह जो दूसरा हिस्सा है नियंत्रण का यह वह कैसे कह सकते हैं, हाउस का नियंत्रण तो हमेशा है....।

(ध्यक्ष) पहले हिस्से का जवाब दे दें कि क्या अफसरों के खिलाफ कोई कार्यवाही की है।

डा० राम सुभग सिंह : जहां कहीं ऐसी बातें मालूम पड़ी हैं वहां पर कार्यवाही की जाती है।

अध्यक्ष महोदय : किन्हीं अफसरों के खिलाफ कोई कार्यवाही की गई है ?

डा० राम सुभग सिंह : इसके लिए सूचना चाहिए।

डा० राम मनोहर लोहिया : यह अध्यक्ष महोदय, कहीं कोई चीज किसी नतीजे पर निकलेगी आपकी अध्यक्षता में या नहीं ? जब कोई सवाल हो तो नोटिस चाहिये तो का के लिये आते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : मैं इस को इससे संबंधित नहीं समझता कि इस के लिये वह तैयार होते कि जितन हादसे अब तक हुए हैं उनमें क्या क्या कार्यवाही की गई है।

डा० राम मनोहर लोहिया : इसी हादसे के बारे में। इस का जवाब देने के लिये तैयार होकर क्यों नहीं आते ? (ध्यक्ष) . . . .

अध्यक्ष महोदय : मैं इस में क्या कर सकता हूँ ? . . . . (ध्यक्ष)

Shri G. N. Dixit (Etawah): On a point of order.

श्री शिव नारायण (बांसी) : अध्यक्ष महोदय, मैं आप के द्वारा सरकार से पूछना चाहता हूँ कि राम मनोहर लोहिया जी का जो सवाल अभी आया है वह भी हिट है कि यह लोग भी जिम्मेदार हैं, यह जितने बाहरी आदमी हैं, जितनी रोलिटिकल पार्टीज इस कंट्री के अंदर है उन की संबोटेजिंग नीति है . . . . (ध्यक्ष)

Shri Kashi Ram Gupta: There is a point of order.

श्री शिव नारायण : अध्यक्ष महोदय, यह डिस्टर्ब करते हैं जो आप कंट्रोल नहीं करते हैं (ध्यक्ष)

Mr. Speaker: Mr. Sheo Narain, this is most disorderly. I shall ask him to go out. He may please go out.

(Then Shri Sheo Narain left the House.)

डा० राम मनोहर लोहिया : अध्यक्ष महोदय . . . . (ध्यक्ष)

अध्यक्ष महोदय : अगर आप भी ऐसा करेंगे तो कोई चाहे बड़ा हो चाहे छोटा हो मुझे रेक्शन लेना पड़ेगा।

What does Mr. Dixit want to say?

Shri G. N. Dixit: My submission is this. I have been seeing that before questions on Call Attention Notice are put, speeches are being made. So far as Rule 197 is concerned, it does not provide for such statements or speeches that are being made. In sub-rule (2) of Rule 197 it is laid down that "there shall be no debate on such statement at the time it is made". Even about questions, the rule is silent. It does not say whether questions will be permitted or will not be permitted. It is by convention and by your power that you have permitted this. The rule pre-supposes this principle that the question shall be only to gather information and not to make speeches. You will find that when Dr. Ram Manohar Lohia rises or when Shri Madhu Limaye rises, first of all, he makes several contentions in a speech and then only puts the question.

My submission is that you may kindly stop this practice and allow only questions to be put for eliciting information.

Shri Nambiar (Tiruchirapalli): We do not want to hear any sermons like this. We know the rules very well. This is too much.

Shri Hari Vishnu Kamath: That is a reflection on you, Sir.

Shri Hem Barua: This sermon is directed towards you, Sir.

Mr. Speaker: Order, order. Shri Hem Barua should not get up in this manner and try to speak.



**Shri P. R. Chakraverti (Dhanbad):** In view of the fact that such tragedies have occurred so many times in the neighbourhood of Siliguri, do Government appreciate that it has nothing to do with monsoon but it is due to sabotage, and as such, may I know whether Government are going to station a special security force in that neighbourhood?

**Dr. Ram Subhag Singh:** Yes, there is a battalion of Special Force at Siliguri.

**श्री प्रिय गुप्त :** मैं आपके जरिये मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूँ कि अगर उन्होंने अपनी मिनिस्टरी के कागजात को देखा होगा तो उन्हें पता चलेगा कि रेलवे में जो पैट्रोलिंग स्टाफ रखा जाता है, खासतौर से नार्थ ईस्टर्न फ्रन्टीयर रेलवे में, उसके व्यय का कुछ हिस्सा प्रान्तीय सरकार भी देती है और वे लोग रेलवे ट्रेक की रखवाली करते हैं, लेकिन अभी हाल में इन तमाम गैंग मनों और पैट्रोल मैनो को इकानमी के नाम पर हटा दिया गया है .

**अध्यक्ष महोदय :** आप सवाल पूछिये ।

**श्री प्रिय गुप्त :** हम यह पूछना चाहते हैं कि जहां पर यह रेलवे का एक्सीडेंट हुआ है, वह स्थान पाकिस्तान बार्डर, नेफा बार्डर और जहां पर चाइनीज कम्युनिस्ट कमेंट्रेट कर रहे हैं—सिक्किम बार्डर के नजदीक है, इस लिये इन पैट्रोल मैनो का वहां पर होना जरूरी है, सरकार ने इकानमी के नाम पर किस लिये इनको वहां से उठा दिया है । जब कि प्राबोन्शियल गवर्नमेंट अपना खर्च का हिस्सा देने को राजी है, करोड़ों रुपया हम जेनरल मैनेजर और दूसरी बड़ी बड़ी पोस्टों पर खर्च कर सकते हैं, लेकिन इकानमी के नाम पर.

**अध्यक्ष महोदय :** आप सवाल पूछिये । He is not asking for information. I shall have to disallow him.

**श्री प्रिय गुप्त :** हम पूछना चाहते हैं कि इन पैट्रोलमैनो को क्यों निकाला गया ।

**डा० राम सुभग सिंह :** प्रश्नकर्ता महोदय ने स्वयं कहा है कि ट्रेक की जवाबदेही पुलिस की होती है, रेलवे और राज्य सरकार दोनों की राय से उसकी चौकसी का इन्तजाम किया जाता है, हमारी रेलवे की पुलिस भी राज्य सरकार के ही मातहत है, सब की राय में ही 15 अक्टूबर के बाद गैंगमनों और पैट्रोलमैनो को वहां से हटाया गया ।

**Shri Tyagi (Dehra Dun):** It was withdrawn from this strategic area?

**डा० राम सुभग सिंह :** विद-ड्रान का सवाल नहीं है ।

**Shri Priya Gupta:** It is a very important question. You may subdue me, for, I am only a young boy. But kindly allow me....

**Mr. Speaker:** There is a limit to my patience. I shall have to ask him....

**श्री प्रिय गुप्त :** मेरी बात सुन लीजिये ।

**Shri Hari Vishnu Kamath:** He has worked among railwaymen and, therefore he knows the position.

**Mr. Speaker:** I know that. But he cannot raise it in this manner. Railwaymen have no licence.

**श्री प्रिय गुप्त :** अब मेरी बात सुन लीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय :** श्री प्रिय गुप्त, आपको बाहर जाना होगा । अब आप बाहर जाइये (Interruptions).

**Shri Hem Barua:** This is criminal negligence on the part of the Railway Ministry.

**Mr. Speaker:** That is another matter . . . (Interruptions).

(Shri Priya Gupta left the House)

Several hon. Members rose—

**श्री यशपाल सिंह (कंगाना):** मेरी अज्ञ यह है कि जिन लोगों ने कांस्ट्रक्शन नोटिस दिया है, उन्हें आप हमेशा कील करते हैं, लेकिन आपने आज मुझे कील नहीं किया

**अध्यक्ष महोदय :** मैं तो उस दफा देखता रहा कि आप खड़े हों, तो आपको बुलाऊँ ।

**श्री यशपाल सिंह :** आप पुझरे तो खड़ा हूँ । जब आप ने पुझारा ही नहीं तो कैसे खड़ा हो जाऊँ ?

**अध्यक्ष महोदय :** इस तरह से तो बड़ी मुश्किल हो जायगी । आप खड़े होंगे तो आपको पुकारेंगे ।

**श्री यशपाल सिंह :** लेकिन मुझे तो पता नहीं कि आईए में मेरा कौनसा नम्बर है ।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं उस दफा देखता रहा, आप खड़े ही नहीं हुए ।

**श्री यशपाल सिंह :** जब रोजाना प्रेस में श्रीर रेडियो में सिलीगुड़ी का रोना रहता है कि बरों पर हर वकत जामूसी होती है, चाहे यह पाकिस्तान की तरफ से हो या चाइना की तरफ से, हर वकत उन के भेदिये वहाँ बैठे रहते हैं, ऐसी स्थिति में यहाँ का रेल का इलाका मिलिट्री के सुपुर्द क्यों न कर दिया जाय ?

**अध्यक्ष महोदय :** यह तो राजेशन है ।

**श्री यशपाल सिंह :** वे कुछ तो जवाब में कहेंगे ।

**Shri Surendra Pal Singh (Bulandshahr):** A little over two years ago another very serious accident took place very near the site of the present one. May I know from the hon. Minister whether there is any similarity between the nature or characteristics of these two accidents?

**Shri Hari Vishnu Kamath:** Family resemblance.

**Dr. Ram Subhag Singh:** There was an accident in 1961, not two years ago but about five years ago. I will be in a position to give the exact reply

only when the report of the Inquiry is available as to whether there is any similarity between the two.

**Shri P. C. Borooah (Sibsagar):** There were as many as 7 major railway accidents in the Assam area during the last year due to sabotage. May I know how far the Home Ministry, rather than the Railway Ministry, is responsible for the failure to obtain intelligence about sabotage activities which are going on on the railway unabated?

**Mr. Speaker:** I could not follow.

**Dr. Ram Subhag Singh:** I have followed it. But it relates to the Home Ministry. The question is how far the Home Ministry is responsible. We function collectively, and whatever has happened, proper precaution is taken.

**श्री मधु सिमये :** कलेक्टवली इस्तीफे दे देते हैं । इस्तीफे क्यों नहीं दिये ?

**Dr. Ram Subhag Singh:** Why should we tender resignation? When your Government is formed, we will resign.

**Shrimati Jyotsna Chanda (Cachar):** The hon. Minister has stated that the gangmen have been गैंग मैन हटाये गये । So far as I could understand, it means removed from there. May I know whether they have been put on duty in that area which is near the Pakistani border?

**Dr. Ram Subhag Singh:** All possible precautions are taken by the authority which is responsible to maintain law and order in that area.

**Shri R. Rabua (Jorhat):** A pilot engine was sent on that track, and within ten minutes of that this accident took place. Is that correct?

**Dr. Ram Subhag Singh:** About exact ten minutes I shall have to find out because everything is under inquiry. As I said, at 1.38 a full train passed through that track.

**Shri Liladhar Kotoki (Nowgong):** May I know whether, in view of the peculiar location of this area between

[Shri Liladhar Kotoki]

Siliguri and Alipur Doars section of the NF Railway, which passes through thick jungles, where there are no adequate arrangements for guarding the railway line, the Railway Ministry, in consultation with the Home Ministry and the Defence Ministry, will set up a very strong organisation for the protection of this strategic portion of this railway?

**Dr. Ram Subhag Singh:** This is a suggestion which will be given due consideration.

**Mr. Speaker:** Shri Kishen Pattanayak.

**श्री कृष्ण पटनायक :** अध्यक्ष महोदय, मैं ने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का नोटिस दिया था विद्यार्थियों के मार्च के बारे में . . .

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर, आर्डर ।

**श्री कृष्ण पटनायक :** वह बहुत जरूरी है क्योंकि विद्यार्थियों का मार्च होने वाला है 18 तारीख को और उस पर सरकार की ओर से पाबन्दी की जा रही है तो मेरा कहना है कि उस पर पाबन्दी लगाने का परिणाम अच्छा नहीं होगा और मैं चाहता हूँ कि मिनिस्टर सहाय इस बारे में स्पष्टीकरण करें ।

**अध्यक्ष महोदय :** ऐसे नहीं हो सकता है । इस तरीके से मैं कोई चीज नहीं लूंगा ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 197 के अन्तर्गत व्यवस्था का सवाल उठाना चाहता हूँ ।

**अध्यक्ष महोदय :** उठाइये ।

**Shri Tyagi:** How does it arise? It is not on the Order Paper.

**डा० राम मनोहर लोहिया :** संविधान की धारा 74 और 75 बिलकुल साफ बतलाती हैं कि कौंसिल आफ मिनिस्टर्स प्रेसीडेंट को अपने काम को निर्वाह करने में सहायता व

सलाह देगी और किसी एक व्यक्ति को वहाँ पर स्वीकारा नहीं गया है । प्रधान मंत्री की सलाह से बाकी सब मंत्री राष्ट्रपति मुकर्रर करेंगे जिसका कि साफ मतलब होता है कि जिस तरीके से प्रधान मंत्री की संवैधानिक हैसियत है उसी तरीके से हर मंत्री की है और हर मंत्री के कामकाज की जिम्मेदारी के ऊपर इस सदन को निगरानी रखनी है । इस सम्बन्ध में मैं आप को इंग्लिस्तान को एक चर्चा बतला रहा हूँ .

**अध्यक्ष महोदय :** प्वाइंट ऑफ आर्डर, क्या हुआ ?

**डा० राम मनोहर लोहिया :** वह इसलिए कि गृह मंत्री नन्दा साहब ने प्रधान मंत्री को जो खत लिखा उस का एक हिस्सा नहीं छपा था जबकि हमने उस पर बहस की थी । वह हिस्सा अब बाद में छपा है . . .

**अध्यक्ष महोदय :** डा० साहब यह सवाल इस वक्त नहीं उठ सकता ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** पहले मुझे संवैधानिक स्थिति तो बतला लेने दीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय :** जी नहीं, इस तरह से नहीं उठ सकता है । इस के लिए अलहदा से नोटिस दीजिये ।

**श्री मधु लिंगये :** नोटिस दिया हुआ है ।

**अध्यक्ष महोदय :** दिया हुआ है तो उसे देखा जायेगा लेकिन इस तरह से यकायक तो वह नहीं उठाया जा सकता है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** मैं खाली संवैधानिक स्थिति आप के सामने रखना चाहता हूँ । .

**अध्यक्ष महोदय :** जी नहीं इस तरीके से आप नहीं उठा सकते । श्री संजोवय्या ।